नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

भारत की बदलती वैश्विक भूमिका का संकेत

पश्चिम एशिया में ईरान-इजरायल के बीच बढ़ते तनाव ने वैश्विक राजनीति को एक बार फिर अस्थिरता के मुहाने पर ला खड़ा किया है. ऐसे समय में संसद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वक्तव्य केवल एक औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि भारत की बदलती वैश्विक भूमिका का संकेत भी है. उनका यह संदेश स्पष्ट था कि भारत युद्ध की विभीषिका से दूर रहते हुए शांति और संवाद का समर्थक है, लेकिन अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह तैयार भी है.

प्रधानमंत्री ने 'यह युग युद्ध का नहीं है' कहकर भारत की कूटनीतिक सोच को रेखांकित किया. यह वही दृष्टिकोण है जो भारत को एक जिम्मेदार और संतुलित शक्ति के रूप में स्थापित करता है. वैश्विक स्तर पर जहां ध्रुवीकरण बढ़ रहा है, वहां भारत का यह रुख उसे एक 'विश्व-मित्र' के रूप में पहचान दिलाता है. यह कूटनीतिक संतुलन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत के संबंध ईरान और इजरायल दोनों के साथ रणनीतिक रूप से अहम हैं. ऐसे में किसी एक पक्ष की ओर झुकाव न दिखाते हुए संवाद और शांति पर जोर देना परिपक्व विदेश नीति का उदाहरण है.

हालांकि, केवल नैतिक अपील से काम नहीं चलता. प्रधानमंत्री के संबोधन का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ा था. भारत जैसे ऊर्जा आयात पर निर्भर देश के लिए पश्चिम एशिया में अस्थिरता सीधे आर्थिक चुनौती बन जाती है. कच्चे तेल की कीमतों में संभावित उछाल महंगाई को बढ़ा सकता है, जिसका असर आम नागरिक से लेकर उद्योग तक पर पड़ता है. ऐसे में रणनीतिक तेल भंडार का उपयोग और आयात के स्रोतों का विविधीकरण एक दूरदर्शी कदम है. रूस और अफ्रीकी देशों के साथ ऊर्जा सहयोग को मजबूत करना इसी रणनीति का हिस्सा है, जो भारत को संकट के समय विकल्प प्रदान करता है.

प्रधानमंत्री के भाषण का सबसे संवेदनशील पहलू खाड़ी देशों में रह रहे करोड़ों भारतीयों की सुरक्षा से जुड़ा था. 'ऑपरेशन सुरक्षा' के तहत सरकार की तैयारियां यह दर्शाती हैं कि भारत अब अपने प्रवासियों के प्रति अधिक सक्रिय और जिम्मेदार हो गया है. पिछले वर्षों में यूक्रेन, सूडान और अन्य संकटग्रस्त क्षेत्रों से भारतीयों की सुरक्षित वापसी ने सरकार की क्षमता को साबित किया है. इस बार भी उसी तत्परता का संकेत दिया गया है. यह केवल एक प्रशासनिक कदम नहीं, बल्कि नागरिकों के प्रति विश्वास का आश्वासन भी है.

घरेलू मोर्चे पर भी सरकार की चिंता स्पष्ट दिखी. युद्ध का असर केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहता, बल्कि महंगाई, आपूर्ति श्रृंखला और कृषि जैसे क्षेत्रों को भी प्रभावित करता है. आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए टास्क फोर्स का गठन और उर्वरकों की आपूर्ति पर विशेष ध्यान देना इस बात का संकेत है कि सरकार संभावित संकट को लेकर सतर्क है. किसानों को आश्वस्त करना भी इसी रणनीति का हिस्सा है, क्योंकि कृषि क्षेत्र पर किसी भी प्रकार का दबाव व्यापक आर्थिक असंतुलन पैदा कर सकता है.

समग्र रूप से देखा जाए तो प्रधानमंत्री मोदी का यह संबोधन भारत की बहुस्तरीय रणनीति को सामने लाता है, जिसमें कूटनीति, अर्थव्यवस्था और मानवीय सरोकार तीनों का संतुलन है. भारत आज न केवल अपने हितों की रक्षा कर रहा है, बल्कि वैश्विक शांति की दिशा में भी सक्रिय भूमिका निभा रहा है. यह दृष्टिकोण ही उसे एक उभरती हुई महाशक्ति के रूप में स्थापित करता है, कुल मिलाकर संदेश साफ है कि भारत शांति का पक्षधर है, लेकिन किसी भी चुनौती से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार भी है. यही संतुलन आने वाले समय में भारत की सबसे बड़ी ताकत साबित होगा.

डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा का कांग्रेस पर हमला

राकेश शर्मा

मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने कांग्रेस पार्टी और उसके नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि देश में गैस और पेट्रोलियम की पर्याप्त मात्रा है पर कांग्रेस के नेता और कांग्रेस पार्टी लगातार देश में भ्रम फैलाने की कोशिश कर रही है. विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों के कारण आज देश में पर्याप्त मात्रा में गैस और पेट्रोल उपलब्ध है.

पिछले कुछ समय में गैस के तीन बड़े जहाज भारत आ चुके हैं जहां पाकिस्तान जैसे देशों में लगातार गैस और पेट्रोल की हाहाकर मची हुई है वहीं भारत पर इसका ज्यादा असर दिखाई नहीं दे रहा है.लगातार अमेरिका, इजरायल और ईरान की लड़ाई बढ़ती जा रही है. देश की सरकार ने कमर्शियल एलपीजी आवंटन 50 प्रतिशत कर दिया है. केंद्र सरकार ने राज्यों को कमर्शियल एलपीजी का अतिरिक्त 20 प्रतिशत आवंटन मंजूर किया है,अब कल आवंटन 50 प्रतिशत हो गया है.जगदीश देवड़ा ने कांग्रेस नेताओं से देश में भ्रम न फैलाने की अपील की है. कांग्रेस नेताओं की हमेशा से आदत हो गई है आपदा में अवसर तलाशना. कोरोना कल में भी कांग्रेस के नेता वैक्सीन का विरोध कर रहे थे जबकि विश्व के कई देश लाइन लगाकर भारत से वैक्सीन की मांग कर रहे थे.

इसी तरह मध्य पूर्व में लगातार युद्ध की स्थिति बनी हुई है,उस समय भी कांग्रेस के नेता देश की जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं.जगदीश देवड़ा ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की तारीफ करते हुए कहा कि डॉ. मोहन यादव ने तीन मंत्रियों की एक समिति बनाई है जो प्रदेश में गैस और पेट्रोल की पर्याप्त मात्रा उपलब्ध हो सके, उसके लिए पेट्रोलियम कंपनी और केंद्र सरकार से कोऑर्डिनेशन का काम कर रही है.

कांग्रेस द्वारा आम जनों को गुमराह कर पैनिक माहौल बनाने का देश में प्रयास किया गया पर जनता कांग्रेस के जाल में नहीं फंसी.एक- दो दिन गैस एजेंसियों पर थोड़ा दबाव रहा पर अब गैस की सप्लाई सामान्य हो गई है.मध्य प्रदेश सरकार के अधिकारियों को सरकार ने निर्देशित किया है कि वह भी निरंतर कालाबाजारी करने वालों पर सख्त कार्रवाई करें और गैस एजेंसीयों के लगातार दौरे कर यह सुनिश्चित करें कि आम जनों को पर्याप्त मात्रा में घरेलू कुकिंग गैस उपलब्ध हो सके, इसकी किसी तरह की कमी नहीं हो.

उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कांग्रेस नेतृत्व जो आपदा में राजनीतिक रोटियां सेक रहे हैं से बाज आने के लिए कहा है. केंद्र की सरकार लगातार यह प्रयास कर रही है कि देश में पर्याप्त मात्रा में गैस एवं पेट्रोलियम उत्पादन उपलब्ध हो सके.भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह कूटनीतिक सफलता है कि ईरान भारत के गैस के टैंकरों को सुरक्षित भारत पहुंचने में सहयोग कर रहा है. लगातार विदेश मंत्री ईरान के मंत्रियों से संपर्क में है साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति से भी चर्चा की है.

देश का हर नागरिक इन सब गतिविधियों को बड़ी बारीकी से देख रहा है और समझ रहा है और कांग्रेस के नेताओं द्वारा देश का माहौल खराब करने का जो प्रयास किया जा रहा है उसे देश का हर नागरिक समझ रहा है.और वह कांग्रेस के नेताओं द्वारा फैलाई जा रहे दुष्प्रचारों से वाकिफ है. जगदीश देवड़ा ने इस बात पर जोर देकर इस बात पर भी गौर करना चाहिए की विश्व के कई पेट्रोलियम उत्पादन से भरे हुए जहाज ईरान के समुद्र सीमा में फंसे हुए पर भारत के जहाज लगातार इस विषम परिस्थिति में भी भारत पहुंच रहे हैं .

अभी अमेरिका से गैस लेकर एक जहाज भारत पहुंचा है यह कहीं ना कहीं भारत की बड़ी उपलब्धि है जो लोग लगातार भारत में भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं ,उन्हें भारत की शक्ति को पहचानना चाहिए और भारत की ताकत के साथ खड़ा होना चाहिए पूरे देश की जनता आज विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा कर रही है क्योंकि ऐसी विषम परिस्थिति में भी देश की जनता को प्रधानमंत्री किसी तरह की तकलीफ नहीं आने दे रहे केंद्रीय मंत्रियों के साथ बैठक कर भविष्य की योजना प्रधानमंत्री ने बनाई है .साथ ही मंत्रियों का एक ग्रुप तैयार कर इन परिस्थितियों पर नजर रखने के लिए कहा है.

मालवा- निमाड़ की डायरी

क्या भाजपा का आदिवासी पार्टी को समर्थन मिलेगा?

संजय व्यास

विधानसभा में एक इकलौता विधायक, आवश्यक 10 विधायकों का समर्थन भी जुटाना मुश्किल और ऐसे में भारतीय आदिवासी पार्टी (बाप) का राज्य सभा चुनाव में उम्मीदवार उतारने का ऐलान कोई मजाक नहीं है. दरअसल पार्टी को इसमें अवसर नजर आ रहा है. प्रदेश से जून तक राज्य सभा की तीन सीटें रिक्त हो रही है. आगामी अप्रैल-मई में इसके लिए चुनाव की संभावना है. 230 सदस्यीय विधान सभा में वोटों के गणित में 2 सीटें भाजपा को जाना तय है, सब कुछ ठीक रहा तो 1 सीट कांग्रेस आसानी से निकाल लेगी. कांग्रेस की क्रास वोटिंग की आशंका के बीच बाप के कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष सैलाना विधायक कमलेश्वर डोडियार ने पासा चल दिया है.

कमलेश्वर डोडियार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी को पत्र लिखकर आगामी राज्यसभा चुनाव में भारतीय आदिवासी पार्टी के उम्मीदवार को समर्थन देने की मांग की है.

पत्र में कहा कि जब भाजपा और कांग्रेस आदिवासी क्षेत्रों में जाकर वोट मांगते हैं और सरकार बना लेते हैं. तो आदिवासियों का भी अधिकार है कि राज्यसभा की उम्मीदवारी के लिए उन्हें भी दोनों प्रमुख पार्टियों का समर्थन मिले और राज्य सभा में बाप का प्रतिनिधित्व हो जाए. बाप ने भले ही समर्थन मांगा, पर कांग्रेस अपनी सीट कभी दूसरे को नहीं देने वाली है. जीत के लिए 58 वोट जरूरी है. कांग्रेस के पास 65 विधायक हैं, लेकिन हकीकत में यह संख्या घटकर 63 रह गई है. बीना से विधायक निर्मला सप्रे पर दलबदल कानून के तहत मामला चल रहा है, और मुकेश मल्होत्रा वोट नहीं डाल पाएंगे. यानी कांग्रेस के पास 58 के मुकाबले सिर्फ 5 वोट अतिरिक्त हैं. यही सबसे बड़ा खतरा है. अगर 5-6 विधायक भी क्रॉस वोटिंग कर दें या मतदान से दूर रहें, तो कांग्रेस अपनी पक्की सीट भी गंवा सकती है. भाजपा जोड़-तोड़ में यदि तीसरी सीट जीतना सुनिश्चित देखेगी तो ही दांव लगाएगी, अन्यथा नहीं. हां, अगर कांग्रेस का खेल बिगाड़ना हो और बाप कांग्रेस के आदिवासी विधायकों में सेंध लगान लेने का दावा करे तो भाजपा बाप को समर्थन दे सकती है. 165 विधायकों के साथ भाजपा 116 वोट लगाकर दो सीटें आसानी से जीत सकती है. इसके बाद भी उसके पास करीब 47 वोट बचते हैं यानी तीसरी सीट के लिए सिर्फ 11 वोट की कमी. अगर बाप इन 11 वोटों की सुनिश्चितता दे तो भाजपा भारत आदिवासी पार्टी का उम्मीदवार अपने समर्थन के साथ उतार सकती है.

दो पाटन के बीच पिसे प्राचार्य

शाजापुर के प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस पंडित बालकृष्ण शर्मा नवीन महाविद्यालय में स्नेह सम्मेलन के दौरान मंच पर जगह पाने को लेकर भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन का विद्यार्थी परिषद से जमकर विवाद हो गया. इसमें पिस गए प्राचार्य. उन पर आरोप लगाया गया कि कार्यक्रम में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रतिनिधियों को तो मंच पर ससम्मान स्थान दिया गया, जबकि उनके इशारे पर भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन कार्यकर्ताओं को कुर्सियां तक नसीब नहीं हुईं.

इस पर प्राचार्य के एक बयान ने आग पर घी का काम कर दिया. प्राचार्य ने यह कहकर विवाद को और हवा दे दी कि भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन को पहले भी मंचासीन नहीं किया गया था, इसलिए इस बार भी मंच पर नहीं बैठाया गया. इसी बयान ने कार्यकर्ताओं की नाराजगी को आक्रोश में बदल दिया और उन्होंने कालेज बंद कर मुख्य गेट से आवाजाही रोक दी. आखिर प्राचार्य ने खेद प्रकट कर पीछा छुड़ाया.

खटास दूर कर एक मंच पर ले आए शाह

विगत दिनों खंडवा भाजपा की आजीवन सदस्यता निधि की महत्वपूर्ण बैठक हंगामे की भेंट चढ़ गई थी. बीच बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष पिंकी वानखेड़े ने पार्टी बैठकों में उन्हें बुलाने से परहेज करने पर जिलाध्यक्ष राजपाल सिंह तोमर सहित विधायक कंचन तनवे को कटघरे में खड़ा किया था. तब इसका ठीकरा एक-दूसरे पर फोड़ते हुए जैसे-तैसे मामला शांत हुआ था, पर वानखेड़े के मन की खटास दूर नहीं हुई थी. कंचन तनवे और पिंकी वानखेड़े के बीच लंबे समय से चली आ रही खींचतान की बातें विधयक व जनजातीय मंत्री विजय शाह के संज्ञान में आने पर उन्होंने सभी के बीच सुलह करवाई और विक्रमोत्सव-2026 का आयोजन के मौके पर विधायक कंचन मुकेश तन्वे और पिंकी सुदेश वानखेड़े सहित सभी गुटबाज नेताओं को एक मंच पर ले आए और फिर गुड़ी पड़वा एवं नववर्ष की शुभकामनाओं का सिलसिला चल पड़ा.

खुशहाली में भारत इतना पीछे क्यों?

विश्व के खुशहाल देशों में भारत बहुत नीचे 116 वीं रैंक पर है. इससे स्पष्ट है कि यहां के अधिकांश लोग अपनी स्थिति से संतुष्ट या खुश नहीं हैं. कोई कह सकता है कि गरीबी और बेरोजगारी, स्वास्थ्य की समस्याओं की वजह से ऐसा होगा. जब लोगों की रोटी, कपड़ा, मकान की बुनियादी जरूरतें पूरी नहीं होंगी तो उनका तनावग्रस्त रहना स्वाभाविक है. इसके अलावा प्रशासनिक भ्रष्टाचार, लालफीताशाही, सहयोग का अभाव भी लोगों के मन पर प्रभाव डालता है. सिस्टम में सुधार हो तो खुशहाली की इंडेक्स में भारत ऊपर जाएगा. महानगरों की आपाधापी में जिंदगी तनावपूर्ण हो गई है. पर्यावरण बिगड़ने से लोग मन और शरीर दोनों से अस्वस्थ हो रहे हैं. नई पीढ़ी में समाधान बिल्कुल नहीं है. वह तेजी से तरक्की कर बहुत कुछ हासिल कर लेना चाहती है. अति महत्वाकांक्षा और प्रतिस्पर्धा भी व्यक्ति को खुशहाली से दूर रखती है. दूसरी ओर यह तथ्य भी सामने आया है कि अमीर देशों में भी लोग पूरी तरह तसल्ली की जिंदगी नहीं जी रहे हैं. वहां परिवार टूट रहे हैं, तलाक बढ़ रहे हैं. जहां नैतिक पतन होगा वही खुशहाली आ नहीं सकती.

भारत में अध्यात्म की परंपरा ने लोगों को संतोष के साथ सुखी रहने की प्रेरणा दी थी लेकिन अब पश्चिमी देशों के प्रभाव और उपभोक्ता संस्कृति बढ़ने से लोगों की खुशहाली कम होती जा रही है.

व्यक्ति आत्मकेंद्रित होकर समाज से दूर होता जा रहा है. वह धन में खुशी खोजना चाहता है जो पैसे से नहीं, परिवार की एकता व परिजनों के प्रेम व आत्मीयता से मिलती है. दूसरों को सुख देकर ही व्यक्ति सुखी हो सकता है. यह बात गौर करने लायक है कि उत्तरी ध्रुव के निकट स्थित स्कैंडिनेवियाई या नार्डिक देशों में लोग सबसे अधिक खुशहाल है. इनमें फिनलैंड टॉप पर है. आइसलैंड, डेनमार्क, स्वीडन, नार्वे, नीदरलैंड, स्विटजरलैंड में खुशी या सुखमय जीवन की वजह वहां के लोगों की मिलजुल कर रहने की संस्कृति है.

निशानेबाज

फिर आ गई चुनाव की घड़ी नेता बांटेंगे वोटर को रेवड़ी

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज पहले धर्म प्रेमी लोग कहते थे रामनाम की लूट है, लूट सके तो लूट, अंतकाल पछताएगा, प्राण जाएंगे छूट!'

हमने कहा, '5 राज्यों में चुनाव के दौरान बंगाल, तमिलनाडु और केरल जैसे राज्यों में रामनाम की लूट नहीं चलेगी. वहां की जनता रेवड़ी की लूट पसंद करेगी. रेवड़ी पाकर खुश होनेवाली पब्लिक कहती है- प्यार का बंधन जनम का बंधन, ये बंधन टूटे ना! जनता जनार्दन को मुफ्त में नगदनारायण मिल जाए तो उसकी खुशी का ठिकाना नहीं रहता.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, सभी जानते है कि रेवड़ी चुनावी राजनीति का अभिन्न अंग है. गुड़ खानेवाला गुलगुले से परहेज कर सकता है लेकिन तिल के लड्डू खानेवाला कभी रेवड़ी से परहेज नहीं करता ! राजनीतिक पार्टियों का गठजोड़ बेमेल हो सकता है लेकिन चीनी और तिल के गठबंधन से तैयार होने वाली गुलाबजल पड़ी सुगंधित रेवड़ी का कहना ही क्या! रेवड़ी चपटी भी हो

सकती है और गोल भी! मतदाताओं के झुंड या रेवड़ को अपनी ओर आकर्षित करना हैतो मीठे और लुभावने वादों की रेवड़ी बांटो. रात के अंधेरे में चुपचाप अपने कार्यकर्ताओं के जरिए भेंटवस्तु या उपहार बांटे जाते हैं. गरीब मतदाता रतजगा करते हुए इसकी प्रतीक्षा करते हैं. मतदाता के सामने ऑफर रहता है- यार दिलदार तुझे कैसा चाहिए, प्यार चाहिए कि पैसा चाहिए? किसी की एक भी बहन नहीं होती लेकिन नेता एक झटके में लाखों लाड़ली बहन बना लेता है. कोई सारे प्रदेश का मामा बनकर भानजियों की फिक्र करता देखा गया है. प्रेम- स्नेह जताने के साथ कोई खाते में पैसा भी डाल दे तो इससे बढ़िया बात क्या हो सकती है. ऑफर देनेवाले कहते हैं कि हमारी रेवड़ी का साइज दूसरे की रेवड़ी से बड़ा है. नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने नारा दिया था- तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा! आज के नेता कहते हैं- तुम मुझे वोट दो, मैं तुम्हें रेवड़ी दूंगा. खबरों में कभी रईसजादों या फिल्मी सितारों की रेव पार्टी छाई रहती है तो चुनाव आते ही रेवड़ी चर्चित हो जाती है. रेवड़ी को लेकर हिंदी में कहावत है- अंधा बांटे रेवड़ी अपने-अपने को दे.'

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12207 - डॉ. सागर खादीवाला

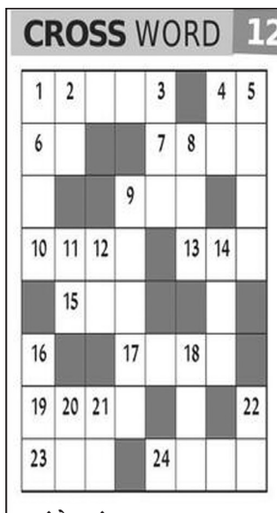

बाएं से दाएं

1. सेना का छोटा अधिकारी (अं.) 4. आदत, बान, सज-धज, वाणी 6. समझ, बुद्धि 7. भीगा हुआ, तर, कीचड़ आदि से सना हुआ 9. जिसका कोई नाम न हो 10. प्रदर्शन, दिखावा, वह मेला जहां अनूठी वस्तुएं प्रदर्शनार्थ अनेक स्थानों से आती हैं (उर्दू) 13. नष्ट करना, फेंकना, लांघना 15. चतुराई, धूर्तता 17. प्रेमपात्र, मित्र (उर्दू) 19. सज्जनता, भलमनसाहत (उर्दू) 23. हिलोर, तरंग 24. अपमान, निरादर

ऊपर से नीचे

1. स्वर्ग की गाय जो सब कामनाओं की पूर्ति करने वाली मानी जाती है 2. कामदेव की पत्नी 3. सुंदर स्त्री, कामिनी, जीभ 4. पिता, जनक 5. पानी छन जाना, किसी तरल पदार्थ या पानी का स्थिर होना जिससे उससे मट्टी या मैल नीचे बैठ जाए 8. रुकना, ठहरा रहना 9. मूल्यवान, बहुमूल्य (उर्दू) 11. छोटी खाट या बड़ी मचिया 12. पृथ्वी, पार्वती, सरस्वती (सं.) 14. निकृष्ट, पतित, बुरा, बिगड़ा हुआ (उर्दू) 16. निपुण, प्रवीण 18. समझना, जानना, पहेली का उत्तर निकालना 20. मार्ग, रास्ता 21. रोएदार चमड़ा जो गर्म कपड़े बनाने तथा अन्य उपयोग में आता है 22. कोलाहल, जोर की आवाज, धूम, प्रसिद्धि (उर्दू)

Solution 12206

प्र	जा	प	ति	■	पा	क	■
मा	ल	■	ल	स	ल	सा	ना
ण	■	चा	ह	■	क	व	च
प	ह	चा	न	ना	■	ट	■
त्र	स्त	■	■	ला	वा	■	ब
■	शि	वा	ल	य	■	आ	ग
अ	ल्प	■	ल	क	ड़	दा	दा
ग्र	■	जी	न	■	■	न	द

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में शिक्षा में अरूचि व व्यवधान होगा, अधिकारी के कोप का सामना करना पड़ेगा, मित्रों से बैचारिक मतभेद रहेगा, वर्ष के मध्य में प्रियजनों के सहयोग से कार्यों में सफलता मिलेगी, शासन सत्ता का लाभ नवीन योजनाओं में पूँजी निवेश होगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को शारीरिक कष्ट होगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को यहां सहयोग मिलेगा, सिंह राशि के व्यक्तियोंको निजी क्षेत्र में रूचि रहेगी, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को अधिकारी के आदेश का पालन करना होगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को धार्मिक यात्रा होगी, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को आकस्मिक धन लाभ प्राप्त होने का योग है.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक स्वस्थ्य, हृष्टपुष्ट, सुन्दर, निडर, एवं मिलनसार स्वाभाव का होगा. बचपन में थोड़ा ज्वर, अतिसार, निमोनिया, आदि की तकलीफ उठायेगा. उसके बाद स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. माता पिता का भक्त होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

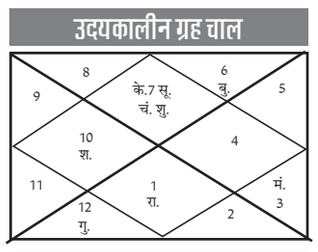

पंचांग

रा.मि. 03 संवत् 2083 चैत्र शुक्ल षष्ठी भौमवासरे शाम 6/53, रोहिणी नक्षत्रे रात 9/47, प्रीति योगे दिन 11/50, कौलव करणे सू.उ. 5/58, सू.अ. 6/2, चन्द्रचार वृषभ, पर्व- सूर्य षष्ठी, स्कन्द षष्ठी, शु.रा. 2, 4, 5, 8, 9, 12 अ.रा. 3, 6, 7, 10, 11, 1 शुभांक- 4, 6, 0.

व्यापार भविष्य

चैत्र शुक्ल षष्ठी को रोहिणी नक्षत्र के प्रभाव से जौ, चना, ज्वार, बाजरा, मक्का, के भाव में तेजी होगी. गुड़ खांड़, में घट बढ़ होगी. सोना, चांदी, के भाव में तेजी होगी. सरसों, तिल,तेल, तिलहन, में साधारण तेजी का योग है. भाग्यांक 2854 है.

मेष- राजकीय एवं नौकरी से संबंधित कार्यों में व्यस्तता रहेगी. मित्रता उपयोगी रहेगी. जमीन जायजाद के कार्यों में सफलता मिलेगी. लाभ होगा.

वृषभ- आय के स्त्रोतों में वृद्धि होगी. किसी नवीन योजनाओं का क्रियान्वयन होगा. लापरवाही करने पर परेशानी का सामना करना होगा.

मिथुन- खर्च की अधिकता रहेगी. यात्रा का योग है. भौतिक सुख सुविधाओं की प्राप्ति होगी. शांति और सहयोग बना रहेगा. मित्र मिलन होगा.

कर्क- मन में प्रसन्नता रहेगी. कहीं दूर दराज की यात्रा हो सकती है. सुख सम्मान और यश प्राप्त हो सकता है. आय के प्रबल योग हैं.

सिंह- कौटुम्बिक सुख एवं प्रसन्नता रहेगीं दूर की यात्रा हो सकती है. पारिवारिक परेशानी दूर होगी. सुख सम्मान और यश प्राप्त हो सकता है. आय के प्रबल योग हैं.

कन्या- आपके साहस पराक्रम एवं प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी. नियोजित काम बनेगा. लाभदायक अवसरों की प्राप्ति होगी. साहस पराक्रम बढ़ेगा.

तुला- जमीन जायजाद संबंधी कार्यों में सावधानी रखें. मित्रता से लाभ होगा. साहस, पराक्रम पुरूषार्थ बना रहेगा. भौतिक सुख सुविधाओं की प्राप्ति होगी.

वृश्चिक- विद्या के क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी, आर्थिक एवं व्यापारिक लाभ का योग है. पारिवारिक परेशानी दूर होगी. चिन्ता का निवारण होगा.

धनु- मन में प्रसन्नता रहेगी. विरोधी वर्ग उग्र रूप धारण कर सकता है. दूर दराज की यात्रा में सावधानी बांछनीय. नियमितता बनी रहेगी.

मकर- घरेलू वातावरण आनन्दमय रहेगा. शुभ संदेश प्राप्त होगा. नवीन योजनाओंका विकास होगा. यश मान सम्मान प्राप्त होने का योग है. जल्दबाजी से बचें.

कुम्भ- शारीरिक कष्ट एवं व्यर्थ का विवाद हो सकता है. कामकाज में विलंब होगा. समय अनुकूल एवं लाभदायक रहेगा. शुभ संदेश मिलेगा.

मीन- आध्यात्मिक एवं रचनात्मक कार्योंमें उत्साह रहेगा. मांगलिक कार्य बनने से प्रसन्नता होगी. मनोरंजन, उत्सव आदि के अवसर प्राप्त होंगे. खर्च होगा.

SUDOKU 7339

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7338

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1